

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक, 16 दिसम्बर, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2016-17 में जल सर्वेक्षण एवं संरक्षण मद के अन्तर्गत जनपद अल्मोड़ा के विकास खण्ड लमगड़ा में डोल आश्रम के पास घटगाड़ गधेरे में झील निर्माण योजना की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं० 2663/मुअवि/नि०अनु०/पी-27(जलाशय) दिनांक 15 सितम्बर, 2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जल सर्वेक्षण एवं संरक्षण मद के अन्तर्गत जनपद अल्मोड़ा के विकास खण्ड लमगड़ा में डोल आश्रम के पास घटगाड़ गधेरे में झील निर्माण योजना के प्राक्कलन की विभागयी टीएसी द्वारा संस्तुत लागत रु० 77.57 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किस्त के रूप में रु० 30.00 लाख (रु० तीस लाख मात्र) की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में व्यय हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (ii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (iii) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (iv) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (v) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vi) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (vii) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
- (viii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दि०-31.03.2017 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। अवमुक्त धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- (ix) स्वीकृत लागत के सापेक्ष कार्य के कियान्वयन में यदि कम धनराशि व्यय होती है तो शेष धनराशि समर्पित कर दी जायेगी।

- (X) वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 490/XXVII(1)/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016 के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय और वांछित सूचनायें निर्धारित प्रपत्रों पर यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाय। विषयगत आगणन का पुनः किसी भी दशा में पुनरीक्षण नहीं किया जायेगा।

2 इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4701-मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-03- जल सर्वेक्षण एवं जल संरक्षण के लिए जलाशयों एवं कन्टूर ट्रैन्च आदि का निर्माण-42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

3 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 662/XXVII(2)/2016, दिनांक 15 दिसम्बर, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
प्रमुख सचिव।

सं०-2376 (1) / 11-2016-03(17) / 2012टीसीतददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री जी को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. वित्त अनु-2, /नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. जिलाधिकारी, देहरादून/अल्मोड़ा।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून/अल्मोड़ा।
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. निदेशालय, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
9. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
11. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, द्वारा मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष सिंचाई विभाग, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(देवेन्द्र पालीवाल)
अपर सचिव।